

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया ने 'वर्ल्ड अफेयर्स, यू एस-चाइना ट्रेड वार एंड ब्रेक्सिट' पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया

वाणिज्य एवं व्यवसाय अध्ययन विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने 19 मार्च, 2021 को 'वर्ल्ड अफेयर्स, यू एस-चाइना ट्रेड वार एंड ब्रेक्सिट' पर एक ऑनलाइन विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया। छात्रों को वैश्विक व्यापार की दुनिया के विकास को समझने में सक्षम बनाने के लिए व्याख्यान का आयोजन किया गया था जिसमें छात्रों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों सहित 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

वाणिज्य एवं व्यवसाय अध्ययन विभाग के प्रमुख प्रो.एन.यू.के. शेरवानी ने अपने स्वागत भाषण में, वैश्विक व्यापार जगत में हाल के घटनाक्रमों का वर्णन किया तथा विषय विशेषज्ञ प्रो. अनुराग सिंह का स्वागत किया साथ ही कार्यक्रम के समन्वय के लिए प्रो.एम. अल्ताफ खान का धन्यवाद किया।

जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जयपुर में एसोसिएट डीन (एकेडमिक्स) तथा प्रोफेसर (वित्त) प्रो. अनुराग सिंह ने ब्रेक्सिट की पृष्ठभूमि के बारे में बताया और द्वितीय विश्व युद्ध के दिनों के इतिहास पर बात की उसके बाद के घटनाक्रम पर चर्चा की, यूरोपीय देशों की राजनीतिक एवं आर्थिक स्थिति की पृष्ठभूमि प्रस्तुत की। उन्होंने कॉमन एक्सटर्नल टैरिफ (सीईटी), इसके सदस्यों, संधि और इसके आर्थिक प्रभावों की अवधारणा को स्पष्ट किया और यूरोप और दुनिया के अन्य हिस्सों में घटनाओं की समय-सीमा का विस्तृत वर्णन किया, जिसके कारण यूरोपीय क्षेत्रीय विकास निधि (ईआरडीएफ) की स्थापना हुई। नागरिकों को लाभ, यूरोप के भीतर व्यापार निहितार्थ, आर्थिक रूप से कमजोर सदस्यों की आर्थिक संभावनाएं और शेंगेन समझौते पर प्रकाश डाला।

प्रो. सिंह ने अन्य सदस्यों की तुलना में यूरोपीय संघ (ईयू) की स्थापना और यूरोपीय संघ में यूके की स्थिति के बारे में विस्तार से बताया और यूरोपीय संघ के साथ रहने के संबंध में बताया जिससे यूके के भीतर ग्रामीण क्षेत्रों में आशंका और असंतोष अग्रसर हुए।

उन्होंने यूरोपीय संघ के बारे में यूके के भीतर शहरी क्षेत्रों के सकारात्मक फैलाव और ब्रेक्सिट के लिए जनमत संग्रह पर चर्चा की और पोस्ट ब्रेक्सिट के तीन विकल्प पर बात की। उन्होंने ब्रेक्सिट हाइलाइटिंग माइग्रेशन के प्रमुख कारणों में एक प्रमुख कारण की भी चर्चा की। इसके बाद, उन्होंने भविष्य में ब्रेक्सिट के विभिन्न प्रभावों पर प्रकाश डाला।

प्रो. सिंह ने सार्क में भारत की समान स्थिति के लिए यूरोपीय संघ में ब्रिटेन की स्थिति के साथ समानांतर निरूपण करके सत्र का समापन किया। उन्होंने बताया कि ब्रेक्सिट के कारण भारत कैसे प्रभावित होता है और यह ब्रिटेन में हिस्सेदारी रखने वाले बड़े भारतीय कॉरपोरेट घरानों की चिंताओं को व्यक्त करता है। यूरोप में उच्च शिक्षा हासिल करने के इच्छुक भारतीय छात्रों के लिए ब्रेक्सिट के निहितार्थ के बारे में उत्साही छात्रों द्वारा सवालों के जवाब देने पर उन्होंने खुशी ज़ाहिर की।

जामिया के कुलपति द्वारा रिसोर्स पर्सन, डीन, फैकल्टी ऑफ सोशल साइंसेज, फैकल्टी मेंबर्स और इसमें हिस्सा लेने वाले सभी स्टूडेंट्स को एक शानदार कार्यक्रम के लिए धन्यवाद के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जनसंपर्क कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया